INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 1, Issue: 01 | January - June 2022

सामाजिक बुद्धिमता का विश्लेषणात्मक अध्ययन

[1]संदीप कुमार, [2]डॉ. रामधन भारती (प्रोफेसर)
[1]शोधार्थी, [2]पर्यवेक्षक
[1–2]विभाग: शिक्षा, ओ.पी.जे.एस. विश्वविधालय, चुरु, राजस्थान

सार
सामाजिक बुद्धिमता एक व्यक्ति की सामाजिक यात्रा में उनकी सामाजिक समझ, सहयोग, संवाद कौशल, और सामाजिक अदायगी की क्षमता को मापने और समझने की क्षमता है। यह एक व्यक्ति की योग्यता को प्रभावित करता है कि वह समाजिक परिपेक्ष्य में सही और सफलता पूर्वक कैसे काम करता है। सामाजिक बुद्धिमता का विकास और सुधारने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण, समर्थन, और सामाजिक अवसरों का सही उपयोग करके व्यक्ति अपने सामाजिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

मुख्य शब्दः सामाजिक समझ, सहयोग, संवाद कौशल, सामाजिक अदायगी, सामाजिक परिपेक्ष्य, सामाजिक यात्रा, सामाजिक बुद्धिमता विकास, सामाजिक अवसर, सफलता, प्रशिक्षण।

परिचय

कक्षा एक सामाजिक प्रयोगशाला है जिसमें प्रशिक्षकों को संचार का एक जाल बनाना होता है जो शिक्षकों और छात्रों के बीच द्विपक्षीय लेनदेन के माध्यम के रूप में कार्य करता है, जो शिक्षकों की सामाजिक बुद्धिमत्ता से संचालित होता है। अधिक व्यस्त शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए शिक्षकों को सामाजिक कौशल का प्रदर्शन करना चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में सामाजिक बुद्धिमत्ता को परिभाषित करना कठिन रहा है (गिलफोर्ड, 1967, थार्नडाइक, 1920, फोर्ड और टिसाक, 1983)। 1920 में, मनोवैज्ञानिक एडवर्ड थार्नडाइक ने ''सामाजिक बुद्धिमत्ता'' वाक्यांश गढ़ा और इसे ''पारस्परिक संबंधों में सफलतापूर्वक व्यवहार करने के लिए लोगों को समझने और नियंत्रित करने की क्षमता'' के रूप में वर्णित किया। सामाजिक बुद्धिमत्ता व्यक्ति और समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप ढलने की क्षमता है (ईसेनक, 1985), सभी को उचित रूप से परखने और गुणों को अपने अनुसार ढालने की क्षमता प्रत्येक स्थिति (ऑलपोर्ट, 1937), सामाजिक दृष्टिकोण एक व्यक्ति का मूल्यांकन करने की क्षमता है (मायर्स, 1995), और सामाजिक सुविधाओं से संबंधित संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं का कुल संयोजन और विनियमन (गिलफोर्ड, 1967)। यह एक प्रकार की मानसिक क्षमता है जो विभिन्न सामाजिक मुद्दों को हल करने में सहायता करती है (फोर्ड और टिसाक, 1983)।
मूल रूप से, यह माना जाता था कि सामाजिक बुद्धिमत्ता एक विशिष्ट विचार था। जब आगे का शोध पूरा हुआ तो यह स्पष्ट हो गया कि सामाजिक बुद्धिमत्ता एक जटिल अवधारणा है। सामाजिक बुद्धिमत्ता सामाजिक जागरूकता, सामाजिक गतिशीलता, पारस्परिक संबंध और पारस्परिक संचार, यानी विभिन्न सामाजिक स्थितियों (प्रतिमा और कुलसुम, 2013), दूसरों के साथ सामाजिक सहयोग (अल्ब्रेक्ट, 2006), सभी स्थितियों में प्रभावी पारस्परिक संचार (गोलेमैन और बोयात्जिस 2008) का संयोजन है। विशेष सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भों में महत्वपूर्ण सामाजिक लक्ष्यों की उपलब्धि (फोर्ड, 1982), अनुकूलित सामाजिक कौशल के साथ दूसरों के साथ व्यवहार करने की क्षमता, सामाजिक (वर्नोन, 1933)। कोस्मित्जकी और जॉन (1993) ने सामाजिक बुद्धि वाले व्यक्ति की विशेषता बताई, ''वह व्यक्ति जो लोगों के विचारों, भावनाओं और इरादों को प्रभावी ढंग से समझता हैय दूसरों के विचारों को मानने में उत्कृष्ट है, सामाजिक सेटिंग्स के लिए अच्छी तरह से अनुकूल है, गर्म और दयालु है और खुला है'' नए अनुभव, विचार और आदर्श।''
थार्नडाइक 1920 में सामाजिक बुद्धिमत्ता की अवधारणा को प्रस्तावित करने वाले पहले व्यक्ति थे। थार्नडाइक का दावा है कि यह पारस्परिक कर्तव्यों को करने की क्षमता है। थार्नडाइक इस प्रकार संज्ञानात्मक और व्यवहारिक दोनों क्षेत्रों को जोड़ता है, यानी, दूसरों को समझने के साथ–साथ उन पर प्रतिक्रिया करने या उनके साथ जुड़ने की क्षमता, जैसा कि उपरोक्त परिभाषा में बताया गया है। थार्नडाइक ने बुद्धि को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत कियाः 1) विचार व्याख्या के लिए अमूर्त बुद्धि को लागू करना 2) यांत्रिक कौशल – कंक्रीट से बनी वस्तुओं के साथ उपयोग में आसानी 3) सामाजिक संपर्कः दूसरों के प्रति जागरूक होना। अपने द्वारा प्रस्तावित विचारों की श्रृंखला में, कार्ल अल्बर्ट ने बुद्धि का छह–आयामी वर्गीकरण प्रदान किया।

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 1, Issue: 01 | January - June 2022

उनके अनुसार, लोगों में बुद्धि की छह बुनियादी श्रेणियां हैं जिन्हें एएसपीईएके के नाम से जाना जाता है, जिसका अर्थ है अमूर्त बुद्धि, सामाजिक बुद्धि, व्यावहारिक बुद्धि, भावनात्मक बुद्धि, सौंदर्य संबंधी बुद्धि और गतिज बुद्धि।

विभिन्न मनोवैज्ञानिक आम तौर पर इस बात पर सहमत हैं कि सामाजिक बुद्धिमत्ता एक बहुआयामी है। सामाजिक बुद्धिमत्ता निस्संदेह बहुआयामी संरचना है। अलग आयाम अस्पष्ट और बहुत विरोधाभासी हैं। विभिन्न उपकरणों का उपयोग करके सामाजिक बुद्धिमत्ता को मापने के तरीकों की भीड़ कई पहलुओं के लिए एक अतिरिक्त बाधा है। सामाजिक बुद्धिमत्ता को मापने के लिए कुछ विशिष्ट तरीके थे जैसे सेल्फ–रिपोर्ट (सिल्वर, मार्टिनुसेन, और डाहल, 2000, मिलर और रॉस, 1975), अवलोकन अनुसूची (वोंग एट अल।, 1995), स्केल (सिल्वर, मार्टिनुसेन और डाहल, 2001, मॉस एट अल., 1955), इन्वेंटरी (लैकनलेले, 2013), परीक्षण (ओ'सुलिवन और गिलफोर्ड, 1966, मॉस, एट अल., 1949, 1955) का उपयोग इसी उद्देश्य के लिए किया गया। विभिन्न आयाम अस्पष्ट और बहुत परस्पर विरोधी हैं।

सामाजिक बुद्धिमत्ता के मॉडल

थार्नडाइक का सामाजिक बुद्धिमत्ता सिद्धांत

थार्नडाइक (1920) पहले व्यक्ति थे जिन्होंने सामाजिक बुद्धिमत्ता को पारस्परिक संबंधों को समझने, नियंत्रण करने और उचित रूप से प्रतिक्रिया करने की क्षमता के रूप में वर्णित किया था। उन्होंने मानव बौद्धिक क्षमताओं के एक मॉडल में सामाजिक बुद्धिमत्ता को शामिल किया। उन्होंने बुद्धि के तीन अलग–अलग प्रकार बताएः सामाजिक, यांत्रिक और अमूर्त। थार्नडाइक ने अपने शोध को सामाजिक बुद्धिमत्ता के साइकोमेट्रिक, व्यवहारिक और संज्ञानात्मक पहलुओं पर केंद्रित किया। इसके अलावा, उनके पास सामाजिक बुद्धिमत्ता का एक मनोचिकित्सीय दृष्टिकोण था। इस परिप्रेक्ष्य के अनुसार, सामाजिक बुद्धिमत्ता सामान्य बुद्धि का सामाजिक संदर्भों में अनुप्रयोग या दूसरों को समझने और प्रेरित करने की क्षमता है, जो देखने योग्य और मात्रात्मक दोनों हैं। थार्नडाइक की थ्योरी ऑफ सोशल इंटेलिजेंस और हॉवर्ड गार्डनर की इंटरपर्सनल इंटेलिजेंस की अवधारणाओं के बीच एक संबंध है।

बुजन का सोशल इंटेलिजेंस मॉडल

बुजान (2002) के अनुसार, आत्म–आश्वासन सामाजिक बुद्धिमत्ता की कुंजी है और सामाजिक जुड़ाव के सभी चरणों में महत्वपूर्ण है। सोशल इंटेलिजेंस का एक और महत्वपूर्ण हिस्सा किसी की सफलता का जश्न मनाना है। किसी व्यक्ति को समझने के लिए, हमें 'ऐकिडो' का उपयोग करना चाहिए, जो दूसरे व्यक्ति के विचारों और शारीरिक भाषा की व्याख्या पर आधारित सामंजस्य की एक विधि है। सामाजिक बुद्धिमत्ता के एक और घटक के रूप में, वह ''सुलह की कला'' जोड़ते हैं। हमें लोगों में सर्वश्रेष्ठ देखना चाहिए। सामाजिक बुद्धिमत्ता किसी अन्य व्यक्ति के विचारों, उद्देश्यों और महत्वाकांक्षाओं के प्रति सहानुभूति और सहानुभूति रखने की क्षमता है।

गोलेमैन का सोशल इंटेलिजेंस मॉडल

सामाजिक तंत्रिका विज्ञान पर आधारित, गोलेमैन (2006) का सामाजिक बुद्धिमत्ता के प्रति दृष्टिकोण इस बात पर जोर देता है कि सामाजिक बुद्धिमत्ता में कनेक्शन की समझ शामिल है। इसमें सहानुभूतिपूर्ण होना, यह पता लगाना कि दूसरा व्यक्ति क्या अनुभव कर रहा है, उनके दृष्टिकोण को समझना और सफल, तरल संबंध बनाने की क्षमता और आत्मविश्वास रखना है। वह दर्शाता है कि ''जोड़–तोड़ करना और दूसरे की कीमत पर एक व्यक्ति के लिए जो काम करता है उसे प्राथमिकता देना सामाजिक बुद्धिमत्ता नहीं माना जा सकता है।'' सामाजिक बुद्धिमत्ता को दो प्रमुख श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता हैः सामाजिक जागरूकता और सामाजिक सुविधा।

मॉडल वीज परफॉर्मेंस (2007)

वीज द्वारा प्रस्तावित सामाजिक बुद्धिमत्ता का यह विचार विशेष रूप से संज्ञानात्मक क्षमता आवश्यकताओं से युक्त है। प्रदर्शन मॉडल, जो सामाजिक बुद्धिमत्ता का एक संरचनात्मक मॉडल पेश करता है, में संज्ञानात्मक

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 1, Issue: 01 | January - June 2022

प्रतिभाओं के रूप में सामाजिक समझ, सामाजिक कौशल, सहानुभूतिपूर्ण सहयोग, सामाजिक स्मृति, सामाजिक धारणा, सामाजिक रचनात्मकता और सामाजिक ज्ञान शामिल हैं।

ग्रीनस्पैन का पदानुक्रमित सामाजिक बुद्धिमत्ता मॉडल (1979)

ग्रीनस्पैन के अनुसार, इस दृष्टिकोण में, सामाजिक बुद्धिमत्ता में तीन घटक होते हैं: सामाजिक संवेदनशीलता, जो भूमिका निभाने और सामाजिक अनुमान के माध्यम से प्रकट होती है, सामाजिक अंतर्दृष्टि, जिसमें सामाजिक समझ, मनोवैज्ञानिक अंतर्दृष्टि और नैतिक निर्णय शामिल हैं और सामाजिक संचार और सामाजिक समस्या–समाधान। ग्रीनस्पैन ने सामाजिक बुद्धिमत्ता के इन पहलुओं में से किसी के लिए विशिष्ट परीक्षण की पेशकश नहीं की, लेकिन उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि उन्हें सामान्य रूप से सामाजिक अनुभूति का अध्ययन करने के लिए उपयोग की जाने वाली प्रयोगात्मक प्रक्रियाओं के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

सामाजिक बुद्धिमत्ता प्रतिमान में तीन तत्व हैं:

- सामाजिक चेतना
- सामाजिक समझ
- पारस्परिक संपर्क

मास्लो का सामाजिक प्रदर्शन कौशल मॉडल (1986)

मास्लो ने सामाजिक बुद्धिमत्ता के पाँच क्षेत्रों की पहचान की।

- दूसरों में रुचि और उनकी देखभाल, या सामाजिक–समर्थक दृष्टिकोण।
- सामाजिक सहभागिता की क्षमताएँ.
- सहानुभूति दूसरों के प्रति दया रखने की क्षमता है।
- भावनात्मक अभिव्यक्ति.
- आत्मविश्वास व्यक्ति के सामाजिक आराम का स्तर है।

विलियमसन मॉडल ऑफ सोशल इंटेलिजेंस (1995)

सामाजिक बुद्धिमत्ता के विलियमसन मॉडल में छह कौशल शामिल हैं जो कल्पना थे, काल्पनिक तर्क, अमूर्त तर्क, रचनात्मक तर्क, विवेचनात्मक तार्किकता, बौद्धिक उत्कृष्टता को नवीनीकृत करने की क्षमता।

सोशल इंटेलिजेंस का अल्ब्रेक्ट मॉडल (2004)

कार्ल अल्ब्रेक्ट के अनुसार सामाजिक बुद्धिमत्ता, ''दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करने और उन्हें सहयोग करने के लिए प्रेरित करने की क्षमता है।'' बुद्धिमत्ता के पारस्परिक कौशल अल्ब्रेक्ट के (2004) सामाजिक बुद्धिमत्ता के सिद्धांत की नींव हैं। उन्होंने इन क्षमताओं को पौष्टिक और हानिकारक गतिविधियों में विभाजित किया। विषाक्त व्यवहार में लगे लोग हीन, क्रोधित, चिड़चिड़े, दोषी या किसी अन्य तरीके से अपर्याप्त महसूस करते हैं जो हानिकारक गतिविधियों के अंतर्गत आता है। जो लोग पौष्टिक आचरण में संलग्न होते हैं वे सराहना, सम्मान, पुष्टि, प्रोत्साहित या सक्षम महसूस करते हैं। गार्डनर की मल्टी डाइमेंशन ऑफ इंटेलिजेंस को कार्ल अल्ब्रेक्ट (2004) द्वारा सरल बनाया गया था और यह ज्यादातर व्यावसायिक और व्यावसायिक संदर्भों में लागू होता है।

निष्कर्ष

निष्कर्षतः, सामाजिक बुद्धिमत्ता किसी व्यक्ति की सामाजिक संदर्भों में नेविगेट करने और पनपने की क्षमता का एक महत्वपूर्ण पहलू है। इसमें सामाजिक समझ, सहयोग, संचार कौशल और सामाजिक अनुकूलनशीलता जैसे गुण शामिल हैं। दूसरों के साथ प्रभावी ढंग से जुड़ने, सार्थक रिश्ते बनाने और जीवन के विभिन्न पहलुओं में सफलता प्राप्त करने के लिए किसी की सामाजिक बुद्धिमत्ता का विकास और सुधार करना आवश्यक है। सामाजिक बुद्धिमत्ता के महत्व को पहचानकर और इसके संवर्धन पर सक्रिय रूप से काम करके, व्यक्ति अपने सामाजिक संपर्क को बढ़ा सकते हैं, अपने समुदायों में सकारात्मक योगदान दे सकते हैं और अधिक संतुष्टिपूर्ण जीवन जी सकते हैं। सामाजिक बुद्धिमत्ता के विकास को अपनाना न केवल एक व्यक्तिगत प्रयास है, बल्कि हमारी परस्पर जुड़ी दुनिया में सद्भाव और सहयोग को बढ़ावा देने की कुंजी भी

है।

इसके अतिरिक्त, सामाजिक बुद्धिमत्ता का विकास व्यक्तिगत लाभों से परे है, इसका समग्र रूप से समाज पर व्यापक प्रभाव है। तेजी से परस्पर जुड़ी और अन्योन्याश्रित दुनिया में, जटिल वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए विविध व्यक्तियों और समुदायों को समझने, उनके साथ सहानुभूति रखने और उनके साथ सहयोग करने की क्षमता महत्वपूर्ण है। सामाजिक रूप से बुद्धिमान व्यक्ति समावेशिता को बढ़ावा देने, संघर्षों को शांतिपूर्ण ढंग से हल करने और समाज के सामूहिक कल्याण में योगदान देने की अधिक संभावना रखते हैं। इसके अलावा, सामाजिक बुद्धिमत्ता का विकास एक सतत प्रक्रिया है जिसके लिए आत्म–जागरूकता और सीखने और अनुकूलन की इच्छा की आवश्यकता होती है। इसमें सक्रिय श्रवण, भावनात्मक विनियमन और सांस्कृतिक संवेदनशीलता जैसे कौशल को निखारना शामिल है। जैसे–जैसे हम विकसित हो रहे हैं और नई सामाजिक गतिशीलता का सामना कर रहे हैं, सामाजिक बुद्धिमत्ता की हमारी क्षमता हमें अधिक सार्थक कनेक्शन और सहयोग की दिशा में मार्गदर्शन करने वाली दिशा सूचक यंत्र के रूप में काम कर सकती है। संक्षेप में, सामाजिक बुद्धिमत्ता केवल एक व्यक्तिगत गुण नहीं है, यह सामंजस्यपूर्ण सामाजिक संपर्क, प्रभावी टीम वर्क और सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन की आधारशिला है। सामाजिक बुद्धिमत्ता का पोषण और संवर्धन करके, व्यक्ति अधिक संतुष्टिपूर्ण जीवन जी सकते हैं, साथ ही बड़े समुदाय और समग्र विश्व की बेहतरी में भी योगदान दे सकते हैं।

संदर्भ

- अग्रवाल, आर. (2013)। सामाजिक बुद्धिमत्ता और शिक्षक प्रभावशीलता (डॉक्टरल शोध प्रबंध, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय)।
- बालाघाट, एस.आर., और पौर, एल.ए. (2014)। जाहेदान में जिला 2 में हाई स्कूल प्रबंधकों की सामाजिक बुद्धिमत्ता और नेतृत्व शैली के बीच संबंधों की जांच। प्राकृतिक और सामाजिक विज्ञान के यूरोपीय ऑनलाइन जर्नल, 3(1), 140–149।
- चक्रवर्ती, ए. (2015)। व्यक्तित्व, लिंग और भावनात्मक बुद्धिमत्ता के संबंध में शिक्षण पेशे के प्रति भावी शिक्षकों का रवैया (डॉक्टरेट शोध प्रबंध, कल्याणी विश्वविद्यालय)।
- डोग्रुएर, एन., मेनेविस, आई., और आईयम, आर. (2010)। अंग्रेजी सीखने और उनकी शिक्षण शैलियों पर ईएफएल शिक्षकों की मान्यताएं। प्रोसीडिया – सामाजिक और व्यवहार विज्ञान, 3, 83–87।
- गनीजादेह, ए., और मोफियान, एफ. (2010)। उनकी सफलता में ईएफएल शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता की भूमिका। ईएलटी जर्नल, 64(4), 424–435।